जे.आर.डी. टाटा के नाम से आरोग्यधाम की स्थापना की गई है। वहां प्राकृतिक चिकित्साविधि से लोगों का उपचार होता है। उन ग्रामीणजनों का जो इलाज का खर्च नहीं उठा सकते। यहीं पर रसशाला है, जहां आयुर्वेद पद्धति की औषधि का निर्माण किया जाता है। इसी परिसर में गौ-शाला है, जिसे नानाजी द्वारा देशी नस्ल की गाय के संरक्षण के लिए शुरू किया गया था। वहां आज भी कई देशी नस्ल की गाय हैं। राष्ट्रपति श्री कोविंद द्वारा वहां राष्ट्रऋषि नानाजी की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इसके बाद वहां पर दीनदयाल शोध संस्थान के चल रहे कार्यों की लगाई गई प्रदर्शनी को देखने वह पहुंचे। प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र में संस्थान द्वारा किसानों को उन्नतिशील बनाने के लिए